NALANDA OPEN UNIVERSITY

Assignment Questions (Session 2017-19)

B.ED., PART-I

सत्रीय कार्य जमा करने की विधि

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए, निर्धारित प्रोग्राम्स में, सत्रीय कार्य जमा करना आवश्यक है । इसके लिये प्रत्येक पत्र में सम्बन्धित विद्यार्थी को तीन प्रश्न **(प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकों के)** दिये गये हैं, जिनमें से दो प्रश्नों **(कुल 20 अंक)** का उत्तर अपने हस्तलिपि में विश्वविद्यालय द्वारा दी हुई सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका में लिखना है । विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे प्रत्येक पत्र के लिये दिये गये, निर्देश के अनुसार, स्वअध्ययन, स्वविवेक और अपनी प्रतिभा के अनुसार दो प्रश्नों का उत्तर अपने हस्तलिपि में लिखें । यह कार्य उन्हें अपने घर में रहकर करना है । किसी भी पुस्तक या नालन्दा खुला विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी पाठ्यसामग्री से **नकल करने पर उनकी उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा । साथ ही, नियमानुसार, विश्वविद्यालय उनके विरूद्ध अलग से भी सख्त कार्यवाही कर सकेगा ।** विद्यार्थियों से अनुरोध है कि सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका तथा उसके लिफाफा पर वे अपना नाम, अनुक्रमांक तथा पत्र संख्या अवश्य लिखें । नामाकंन संख्या (अनुक्रमांक) गलत होने पर सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा । प्रत्येक पत्र के सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिफाफों में डालकर सील कर दें और सील बन्द लिफाफा को वे सम्बन्धित पत्र की लिखित परीक्षा के दिन अपने साथ परीक्षा केन्द्र पर लेते आयें, अर्थात, जिस दिन प्रथम पत्र की लिखित परीक्षा हो, उस दिन वे प्रथम पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तरपुस्तिका का सील्ड लिफाफा अपने साथ परीक्षा हॉल में ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें । इसी प्रकार, जिस दिन द्वितीय पत्र की लिखित परीक्षा हो, उसी दिन द्वितीय पत्र से सम्बन्धित सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका का सील्ड लिफाफा ले आयें । तदनुसार, अन्य पत्रों की लिखित परीक्षा के दिन, उन पत्रों से सम्बन्धित सील्ड लिफाफा अपने साथ ले आयें और उसे अपने सीट पर रख लें । प्रत्येक दिन परीक्षा से सम्बन्धित वीक्षकगण आपके सीट से आपका सील्ड लिफाफा संग्रह कर लेंगे और उपस्थित पंजी पर आपका हस्ताक्षर ले लेंगे, जो इस बात का प्रमाण होगा कि आपने पत्र के लिए अपना सत्रीय कार्य जमा कर दिया है । सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका को किसी भी हालात में डाक अथवा कुरियर से नहीं भेजें क्योंकि विश्वविद्यालय इसको स्वीकार नहीं करेगा । किसी भी पत्र में Theory Paper की परीक्षा समाप्त हो जाने के बाद, उस पत्र से सम्बन्धित सत्रीय–कार्य पुस्तिका स्वीकार नहीं की जायेगी ।

Methods of Submission of Assignment

Each student shall be required to submit two assignments of 20 marks in each theory paper of all programmes where no practical/project work is prescribed. For this purpose, the University administration will set out and provide to each student three different topics in each theory paper; out of which he/she will be required to write out and submit assignment work only on two topics of his her choice in the answer book provided to him/her for this purpose by the University. Both the assignments, each carrying equal marks, shall be evaluated for the purpose of examination. It is again emphasized that writing of two assignment in each theory paper, where no practical/project work is prescribed, is compulsory and unless it is done and assignment copy submitted to the University on the date of the examination of the theory portion of the concerned paper, the study requirement of the student will not be taken to have been completed and he/she will be declared to have failed. Besides, it has, now, been decided by the University to club the marks obtained by a student in his/her assignment work/project work with the marks obtained by him/her in the written examination of that paper to determine his/her pass percentage in the concerned paper. Hence, it is in student's interest that he/she submits the assignment work in time. Students are also advised to prepare their assignments very carefully and meticulously. They must write assignment in their own handwriting. Assignment answers should not be copied from the learning material supplied by the University or from any other source. Assignments must be submitted in the answer books provided to the students by the University for this purpose. In no case, assignment written assignment written in private copy will be accepted by the University. In case of loss of assignment copy, fresh assignment copy may be procured from the University on payment of Rs. 100.00 by bank draft. Similarly, Project-Work, wherever prescribed, must also be submitted by the fixed date, failing which the student will be deemed to have failed in the concerned subject.

ASSIGNMENT QUESTIONS (सत्रीय कार्य)

PAPER–I

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. Explain the process of Education.
   शिक्षा की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए ।
2. Define Philosophy. Explain the dependence of Philosophy on Education.
   दर्शनशास्त्र को परिभाषित कीजिए । शिक्षा पर दर्शनशास्त्र की निर्भरत की व्याख्या कीजिए ।
3. Describe the education for management of natural calamities and disasters.
   प्राकृतिक विपत्ति और आपदाओं के प्रबंधन की शिक्षा का वर्णन कीजिए ।

PAPER–II

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. Explain the influence of Heredity and Environment in the development of child.
   बालक के विकास में वंशानुक्रम एवं वातावरण के प्रभाव की व्याख्या कीजिए ।
2. What is the meaning of concept development? Describe some common concepts of children.
   संप्रत्यय विकास का क्या अर्थ है? बालकों के कुछ सामान्य संप्रत्यय का वर्णन कीजिए ।
3. What are the stages of social development of children?
   बच्चों के सामाजिक विकास की कौन–कौन सी अवस्थाएँ हैं?

PAPER–III

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. Highlight on the expansion of learning.
   अधिगम के विस्तार पर प्रकाश डालिए ।
2. Describe classical conditioning theory of Pavlov and discuss its merits and demerits.
   पैवलव के क्लासिकी अनुकूलन सिद्धांत का वर्णन करें तथा इसके गुण तथा दोषों की विवेचना कीजिए ।
3. Analyse the theoretical structure of social constructivism of Vygotsky.
   वाइगोत्सकी के सामाजिक रचनावाद के शैक्षिक निहितार्थ की व्याख्या कीजिए ।

PAPER–IV

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. Describe the different model of curriculum development.
   पाठ्यचर्या विकास के विभिन्न मॉडल का वर्णन कीजिए ।
2. Describe the meaning and planning of curriculum transaction.
   पाठ्यचर्या कार्यान्वयन के अर्थ तथा योजनाओं का वर्णन कीजिए ।
3. Explain the meaning and characteristics of text book.
   पाठ्यपुस्तक के अर्थ तथा विशेषताओं की व्याख्या कीजिए ।

PAPER–V

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. Describe the need and objectives of personal guidance.
   व्यक्तिगत निर्देशन की आवश्यकताओं एवं उद्देश्य का वर्णन कीजिए ।
2. Define counselling. Describe the characteristics of counselling.
   परामर्श को परिभाषित कीजिए । परामर्श की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
3. What is cumulative record? Explain the objectives and uses of cumulative record.
   संचयी आलेख क्या है? संचयी आलेख के उद्देश्य एवं उपयोग का उल्लेख कीजिए ।

PAPER–VI (METHOD PAPER)

ENGLISH METHOD

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. What is the role and status of English in India.
2. What is the main purpose of teaching through Audio-Visual aids? What are the advantages of Audio-Visual aids?
3. What are the aspects involved in understanding literature?

HINDI METHOD

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. भाषा की प्रकृति का वर्णन कीजिए ।
2. भाषा शिक्षण में प्रयोग आने वाले प्रमुख शिक्षण साधन का वर्णन कीजिए ।
3. व्याकरण शिक्षण के महत्व एवं उद्देश्य क्या हैं?

SANSKRIT METHOD

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. कारक का अर्थ एवं भेदों का सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
2. समास को परिभाषित कीजिए एवं उसके भेदों की व्याख्या कीजिए ।
3. संस्कृत के पारंपरिक शिक्षण विविधयों की विवेचना कीजिए ।

URDU METHOD

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. زبان کی تعریف کرتے ہوئے اس کے اقسام بیان کیجئے۔
2. ''نظم'' کی تدریس کے طریقۂ کار سے اپنی واقفیت ظاہر کیجئے۔
3. سرسید کے مضمون ''امید کی خوشی'' کا منصوبۂ سبق تیار کیجئے۔

MATHEMATICS METHOD

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. Describe the contribution of Indian and Western Mathematicians.
   भारतीय एवं पश्चिमी गणितज्ञों के योगदान का वर्णन कीजिए ।
2. Describe the teaching planning and implementation strategies of concept.
   अवधारणाओं की शिक्षण योजना एवं कार्यान्वयन रणनीति का वर्णन कीजिए ।
3. What is Micro-Teaching? What are its merits and demerits?
   सूक्ष्म शिक्षण क्या है? इसके गुण और दोष क्या हैं?

PAPER–VII

(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्न 10–10 अंकों के हैं)

1. What is the meaning of Assessment and Evaluation? Describe the purpose and relationship of Assessment and Evaluation.
   आकलन एवं मूल्यांकन का क्या अर्थ है? आकलन एवं मूल्यांकन का उद्देश्य एवं संबंध क्या है?
2. What are the tools and techniques of evaluation?
   मूल्यांकन के उपकरण एवं तकनीक क्या हैं?
3. What are the various issues and problems of evaluation?
   मूल्यांकन के विभिन्न पक्ष एवं समस्याएँ क्या हैं?

PAPER–VIII(A) & VIII(B)
PRACTICAL WORK
PAPER–IX
PRACTICAL WORK